# व्यवसाय योजना

## स्थिर मधुमक्खी पालन

**आस्था समान रूचि समूह जरी**

| | |
|---|---|
| ग्राम वन विकास समिति - | शाट |
| ग्राम पंचायत - | शाट |
| वन परिक्षेत्र - | जरी |
| वनमण्डल - | पार्वती |
| वनवृत - | कुल्लू |

**हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना**

# विषय –सूची


| क0सं0 | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1 | कार्यकारिणी सारांश | 1-2 |
| 2 | स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची | 3 |
| 3 | गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण | 3 |
| 4 | आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण | 4 |
| 5 | उत्पादन की प्रक्रियाऐं | 4 |
| 6 | उत्पादन नियोजन | 4 |
| 7 | विक्रय तथा विपणन | 5 |
| 8 | सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण | 5 |
| 9 | शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis) | 5-6 |
| 10 | सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय | 6 |
| 11 | व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण | 7 |
| 12 | अर्थव्यवस्था का सारांश | 8 |
| 13 | अनुमान | 8 |
| 14 | उद्यम हेतूलाभ– लागत विश्लेषण | 8-9 |
| 15 | धन की आवश्यकता | 9 |
| 16 | धन की आवश्यकता का नियोजन | 9 |
| 17 | टिप्पणी | 10 |
| 18 | प्रशिक्षण का अनुमानित व्यय | 11 |
| 19 | स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि | 12 |
| 20 | ग्राम वन विकास समिति कार्यकारणी का अनुमोदन | 13 |
| 21 | सहमति पत्र व मण्डल प्रबन्धन इकाई की स्वकृति | 14 |
| 22 | स्वयं सहायता समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ | 15 |

# 1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश पश्चिम हिमालय में स्थित है। यह राज्य कुदरती सुंदरता और समृद्वि, सांस्कृतिक व धार्मिक धरोहर से भरपूर है। राज्य में विविध पारितंत्र, नदिया , घाटियां पाई जाती है। इसकी आबादी 75 लाख के करीब है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र है जो की ऊँचाई व ठंडे जोन का क्षेत्र पाया जाता है । राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 7 जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना, जाईका (JICA) के सहयोग से चलाया जा रहा है जिसमे कुल्लू जिला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति शाट की सूक्ष्म योजना बनाई गयी है । सूक्ष्म योजना के अनुसार ग्राम वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है । यहाँ के लोग मुख्यता गेहूं, जौ, सब्जी की खेती करते हैं । इसके अतिरिक्त पलम, अनार इत्यादि की बागवानी करते हैं । परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि बहुत कम है । अन्य संसाधन न होने के कारण उनकी आय में अपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है । अतिरिक्त संसाधन के लिए आस्था स्वयं सहायता समूह का 18-05-2022 को गठन किया गया है । समूह ने स्थिर मधुमक्खी पालन से अपनी आजीविका बढाने का निर्णय लिया है । स्वयं सहायता समूह को समान रूचि समूह शाट में दिनाकं 21-07-2022 परिवर्तित किया गया है। इस समूह में कुल 12 महिलाओं मे से 8 सामान्य, 2 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति तथा 1 महिला बीपीएल श्रेणी के सदस्य है।

परियोजना की सहायता से प्रारम्भ में स्थिर मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 50% अंशदान (सामान्य श्रेणी का) वहन किया जाएगा । इसके अतिरिक्त 1,00,000/- परीकृमि निधि दी जाएगी ताकि बैंक में ऋण लेने में सुविधा हो सके। समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तों के हिसाब से कार्यों का आपसी बंटवारा करेगे तथा समान रूप से कार्य के अनुसार लाभांश का बंटवारा करेंगे।

शाट समान रूचि समूह की व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री पदम् सिंह चौहान (Retd HPFS), श्रीमती बबिता ठाकुर, श्रीमती पवना देवी, एसएमएस श्री राहुल वर्मा और श्री संजय ठाकुर (वन रक्षक) ने बार बार समूह के सदस्यों से बैठक करके इस व्यवसाय योजना को तैयार किया है । जो मार्कण्डे मधुमाखी पालन समूह, हुरला व्यवसाय योजना बनाने में डॉ श्री रमेश लाल कृषि विज्ञान केन्द्र बजौरा (विशेषज्ञ) से विचार विमर्श किया गया था उसी आधार पर इस समूह की व्यवसाय योजना तैयार की गयी है । समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

| क्रमांक | लाभार्थी का नाम व पता | पद | गांव | आयु | लिंग | योग्यता | श्रेणी | सम्पर्क |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | श्रीमती सावित्री पुत्री श्री खौर सिंह | प्रधान | शाट | 54 | स्त्री | 10th | सामान्य | 9816630098 |
| 2 | श्रीमती पुष्पा देवी पुत्री श्री राम सिंह | सचिव | शाट | 53 | स्त्री | 10th | अनुसूचित जाती | 8219459528 |
| 3 | श्रीमती दयावंति पत्नी श्री धरम चंद | कोषाध्यक्ष | शाट | 45 | स्त्री | 12th | सामान्य | 6230607248 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | श्रीमती ज्ञान सारिणी पत्नी श्री गोवर्धन | सदस्य | शाट | 45 | स्त्री | 12th | सामान्य | 7876642105 |
| 5 | श्रीमती हीरा देवी पत्नी श्री ओम चंद | सदस्य | शाट | 49 | स्त्री | 1 0th | सामान्य | 7831954003 |
| 6 | श्रीमती सुनिता पत्नी श्री राकेश कुमार | सदस्य | शाट | 56 | स्त्री | 12th | सामान्य | 9816794928 |
| 7 | श्रीमती सेवारानी पत्नी श्री संजय शर्मा | सदस्य | शाट | 57 | स्त्री | 12th | बीपीएल | 8628862941 |
| 8 | श्रीमती राधा देवी पत्नी श्री चमन लाल | सदस्य | शाट | 40 | स्त्री | ---- | सामान्य | 9805273388 |
| 9 | श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री तीर्थ राम नेगी | सदस्य | शाट | 41 | स्त्री | 12th | सामान्य | 9816648090 |
| 10 | श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री देवराज | सदस्य | शाट | 45 | स्त्री | 12th | सामान्य | 9816515333 |
| 11 | श्रीमती पैनी देवी पत्नी श्री रमेश चंद | सदस्य | शाट | 26 | स्त्री | 1 0th | अनुसूचित जाति | 7876165868 |
| 12 | श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री देवराज | सदस्य | शाट | 27 | स्त्री | 1 0th | अनुसूचित जाति | 7876307106 |

**आस्था मधुमखी पालन समूह, शाट के सदस्य**

## 2. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| **2.1** | **समान रूचि समूह** का नाम | आस्था |
| **2.2** | **समान रूचि समूह** का एम. आई. एस. कोड | – |
| **2.3** | ग्रामीण वन विकास समिति | शाट |
| **2.4** | वन परिक्षेत्र | जरी |
| **2.5** | वन मण्डल | पार्वती |
| **2.6** | गांव | शाट |
| **2.7** | विकास खण्ड | कुल्लू |
| **2.8** | जिला | कुल्लू |
| **2.9** | समूह के कुल सदस्यों की संख्या | 12 |
| **2.10** | समूह के गठन की तिथि | 18.05.2022 |
| **2.11** | समान रूचि समूह की मासिक बचत | 100 |
| **2.12** | बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचालित | एचपी ग्रामीण बैंक, सरसाड़ी |
| **2.13** | बैंक खाता संख्या | 88321300000424 |
| **2.14** | समूह की कुल बचत | 6000 /- |
| **2.15** | समूह द्वारा सदस्यों को दिया गया ऋण | अभी तक नही |
| **2.16** | **कैश** क्रैडिट सीमा समूह सदस्यों द्वारा वापस किया गया ऋण की स्थिति | – |

## 3. गांव की भौगोलिक स्थिति

| | | |
|---|---|---|
| **3.1** | जिला मुख्यालय से दूरी | कुल्लू 25 कि0मी0 |
| **3.2** | मुख्य सड़क से दूरी | 25 किमी0 |
| **3.3** | स्थानीय बाजार का नाम और दूरी | जरी 7 कि0मी0, कसोल 10 क0मी0 और शाट 200 मी0 |
| **3.4** | मुख्य बाजार से दूरी और नाम | भुन्तर 16 कि0मी0, कसोल 10 क0मी0 कुल्लू 25 कि0मी0 , मनाली 64 कि0मी0 |
| **3.5** | अन्य प्रमुख **शहरों** और कसबों से दूरी | भुन्तर 16 कि0मी0, कसोल 10 क0मी0 कुल्लू 25 कि0मी0 , मनाली 64 कि0मी0 |
| **3.6** | बाजार/बाजारों से दूरी जहां पर उत्पादन की बिक्री की जायेगी | भुन्तर 16 कि0मी0, कसोल 10 क0मी0 कुल्लू 25 कि0मी0 , मनाली 64 कि0मी0 |

## 4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| **4.1** | उत्पाद का नाम | **शहद** |
| **4.2** | उत्पाद की पहचान की पद्वति | **कुछ सदस्य स्थिर मधुमक्खी पालन का कार्य पहले से ही करते है \|** |
| **4.3** | समान रूचि समूह के सदस्यों की सहमति | हां |

## 5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्व प्रथम समान रूची समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा **स्थिर मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण** दिया जाऐगा। **प्रशिक्षण के बाद समूह के सदस्यों को 1 वर्ष में एक-एक सदस्य प्रतिदिन बारी-बारी से औसत 1 घंटे कार्य करेगी \| इस प्रकार कुल 365 घंटे अनुमानित किये गए हैं \| जिसमे साफ़-सिफाई, शहद निकालना, डिब्बों में बंद करना, विपणन और देखभाल आदि कार्य शामिल है \|** उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण निम्न प्रकार से है :–

- समूह के सदस्य 1 वर्ष के चक्र में इटालियन मधुमक्खी (Apis mellifera) द्वारा तैयार किये गए शहद को वर्षभर में 6 बार निकालेंगे \|
- मार्च, अप्रैल , मई , जून , सेप्तेंबर , ओक्टोबर महीने मे शहद नि काला जाएगा जुलाई, अगस्त , नवम्बर से लेके फ़रवरी तक शहद नहीं निकाला जाएगा क्योंकि जुलाई, अगस्त मे बरसात के कारण मधुमाखियाँ शहद बनाने का अधिक कार्य नहीं कर पाती हैं तथा सर्दियों में शाट क्षेत्र में नवम्बर से जनवरी तक कोई भी वनस्पति के फूल नहीं खिले होते हैं \|
- वर्षा के दिनों में सर्दियों में और बरसात में मधुमक्खी के कार्य न करने पर व फूल उपलब्ध न होने के कारण चीनी के घोल का शर्बत बनाकर इस प्रकार के अनुपात में ( बरसात प्रारम्भ होते ही 1:1, जाड़ों में 1:2) फीडर के माध्यम से मधुमक्खी को खिलाना होगा \|
- गर्मियों में मौन गृह का तापमान बनाए रखने के लिए मौनवंशों को पानी भी पिलायेंगे \|
- सर्दियों में ठंड पड़ने पर मौन गृह में आवश्यक तापमान बनाए रखने के लिए आवरण लगाएंगे \|
- समय-समय पर मौन गृह की सफाई भी करनी पड़ेगी \|
- उपरोक्त निकाले गए शहद को डब्बों में आवश्यक लेब्लिलंग (स्टीकर) लगाकर विपणन करेंगे \|

## 6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| 6.1 | उत्पादन चक्र | 1 वर्ष |
| 6.2 | **वर्ष भर मे** कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या) | 12 महिला |
| 6.3 | कच्चे माल का स्त्रोत | कुल्लू, भुन्तर |
| 6.4 | अन्य संसाधनों का स्त्रोत | कुल्लू, भुन्तर |

## 7. विपणन/बिक्री का विवरण

| | | |
|---|---|---|
| 7.1 | सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम | कुल्लू, भुन्तर, मनाली |
| 7.2 | उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी | भुन्तर 16 कि0मी0, कुल्लू 25 कि0मी0 , कसोल 10 कि0मी0 मनाली 65 कि0मी0 |
| 7.3 | बाजार में उत्पाद की अनुमानित मांग | उत्पादन से अधिक मांग है। |
| 7.4 | बाजार को चिन्हित करने की प्रकिया | समूह के सदस्य उत्पादन के अनुसार स्थानीय परचून/थोक दुकानदारों से विपणन के लिए सम्पर्क करेंगे। आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू व मनाली के दुकानदारों से सम्पर्क करके विपणन का कार्य किया जाएगा । |
| 7.5 | मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति | गर्मियों में ज्यादा मांग होती है । |
| 7.6 | उत्पाद के संभावित खरीदार | स्थानीय निवासी, दुकानदार और पर्यटक |
| 7.7 | क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता | भुन्तर, मनाली, कसोल, कुल्लू व समीप के क्षत्रों के स्थानीय निवासी |
| 7.8 | उत्पाद का विपणन तंत्र | • दुकानदारों से सम्पर्क करना।<br>• अपना बिक्री केन्द्र खोलना।<br>• मेलों में स्टाल लगाना। |
| 7.9 | उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति | • थोक व्यापारी से सम्पर्क करना।<br>• परचून व्यापारी से सम्पर्क करना।<br>• लोकल नैटवर्क में प्रचार करना।<br>• सोशल मीडिया में प्रचार करना। |
| 7.10 | उत्पाद का ब्राण्ड नाम | "आस्था समूह हनी, शाट" |
| 7.11 | उत्पाद का ''नारा'' | "मीठा मीठा जड़ी बूटी रा शहद खाना, आसारा इरादा सभी लोगा री अछी सेहत बनाना" |

## 8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- विपणन में अनुभव रखने वाले सभी सदस्य बारी–बारी से विपणन करेगे।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समस–समय पर करते रहेगें।
- समय समय के बाद लाभांश व मजदूरी का समान रूप से बंटवारा करेंगे।

## 9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती विष्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति: -

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है ।
2. शहद उत्पादन की प्रकिया आसान है तथा बहुत कम श्रम लगाना पड़ता है ।
3. उत्पादन लागत बहुत कम है तथा उत्पादन मांग अधिक है।

4. शहद बहुत समय तक ख़राब नहीं होता है |

**दुर्बलता : -**

**1.** मधुमखियों की सही देखभाल व पोषण न करने पर मधुमक्खी मर भी जाती हैं।

**2**. सदस्यों को समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है |

**अवसर : -**

**1.** समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।

**2.** स्थानीय बाज़ारों में मांग अधिक है।

**3.** परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय पर 50% कीमत का भी वहन किया जाएगा।

**4.** परियोजना द्वारा मौके पर या स्थिर मधुमक्खी पालन संसथान बजौरा में विशेषज्ञ या अन्य संस्थान या किसी व्यक्ति के माध्यम से जो बड़े स्तर पर मधुमाखी पालन कर रहा हो और उसका कम से कम 5 वर्ष का अनुभव हो उस से प्रशिक्षण करवाया जाएगा।

**जोखिम : -**

**1.** फूलों के मौसम में वर्षा व अधिक तापमान से शहद उत्पादन कम होने का अन्देशा रहता है |

**2**. सर्दियों में न के बराबर तथा वर्षा में शहद बनाने का चक्र प्रभावित होता है |

**3**. अत्यधिक सर्दी में आवश्यक तापमान व बचाव कार्य न करने पर मधुमक्खियों के मरने की सम्भावना रहती है |

**4**. सर्दियों में समय-समय पर चीनी का शर्बत न खिलाने पर भी मधुमक्खी की मरने की सम्भावना रहती है |

## 10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

| क0सं0 | जोखिमों का विवरण | :: | जोखिम कम करने के लिए उपाय |
|---|---|---|---|
| 10.1 | सर्दी के बाद मौन वंशों के शहद में कमी होती है और मधुमक्खियां शहद भंडार के अनुपात में ही पराग लाकर अंडे/बच्चों का पालन आरम्भ करती हैं । | :: | चीनी का शर्बत सर्दियों में मधुमक्खी को खिलाना पड़ेगा ताकि शिशु पालन दर बढ़े और मधु प्रवाह के समय तक कमेरी मधुमक्खियों की संख्या पर्याप्त हो पाये और शहद भरपूर मात्रा में एकत्रित हो सके। |
| 10.2 | कभी-कभी वर्षा ऋतु में मौसम जब खराब हो जाता है तब मौन वंशों में शिशु दर बढ़ जाती है और कमेरी मधुमक्खियां खराब मौसम के कारण आवश्यकता के अनुसार भोजन नहीं ला पातीं । इससे मौन वंश के संतुलन व कार्य में बाधा पड़ती है। | :: | ऐसे में कृत्रिम खुराक देनी चाहिए अन्यथा मौन वंश कमजोर होकर समाप्त हो सकते हैं। |
| 10.3 | प्राकृतिक कारणों जैसे लम्बी अवधि तक शुष्क मौसम, सामान्य से कम या भारी वर्षा, आंधी से पुष्पों की क्षति आदि से शहद बनाने की प्रक्रिया बाधित होती है। | | मौन वंशों को बचाने के लिए कृत्रिम खुराक देनी पड़ती है। |
| 10.4 | वर्षा ऋतु में जब शिशु पालन दर मक्की के परागकण उपलब्ध होने से तीव्र हो जाती है । मकरन्द स्त्रोतों की कमी पड़ती है । | | मकरन्द स्त्रोतों में कमी हो जाने पर कृत्रिम भोजन देना आवश्यक है। |

## 11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

| अ | पूंजीगत व्यय | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| क्र0सं0 | विवरण | मात्रा | इकाई दर | मूल्य (रू0 में) | परियोजना अंश (50%) | लाभार्थी अंश(50%) |
| 1 | मौन गृह (Long Strooth) (11 frames) | 40 | 1300 | 52000 | 26000 | 26000 |
| 2 | मौनवंश (**7** फ्रेम) | 40 | 2200 | 88000 | 44000 | 44000 |
| 3 | शहद निष्कासन यंत्र | 1 | 3500 | 3500 | 1750 | 1750 |
| 4 | धुंआकर | 1 | 1200 | 1200 | 600 | 600 |
| 5 | मुख्य रक्षक जाली, चाकू, तश्तरी, छाननी, फीडर , हाइव टूल, दस्ताने | 1 | 1000 | 1000 | 500 | 500 |
| 6 | भार तोलन मशीन | 1 | 2000 | 2000 | 1000 | 1000 |
| 7 | परिवहन व्यय | 1 | 8000 | 8000 | 4000 | 4000 |
| | | | **कुल पूंजीगत व्यय** | **155700** | **77850** | **77850** |

| (ब) | **आवर्ती व्यय** | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **क्रमाक** | **विवरण** | **इकाई** | **मात्रा** | **दर (रु०)** | **धन राशी (रु०)** |
| 1 | औसत मजदूरी | दिन | 45 | 350 | 16100 |
| 2 | कमरा किराया | महीना | 12 | 1200 | 14400 |
| 3 | मोम की शीट **(wax sheet)** | नं॰ | 400 | 20 | 8000 |
| 4 | चीनी | किलोग्राम | 480 | 45 | 21600 |
| 5 | दवाइयाँ / रसाइन | - | L/S | 1000 | 1000 |
| | अन्य खर्चे (पैकिंग मटेरियल डब्बों , स्टीकर, स्टेशनरी, बिजली, पानी बिल, मशीन**,** परागन पैक**,** रिपेयर इत्यादि) | | L/S | 15000 | 15000 |
| | | | | **कुल आवर्ती व्यय** | **76100** |

- औसत मजदूरी केवल लागत लाभ विश्लेषण के लिए अनुमानित की गयी है | वास्तव में यह कार्य समान रूचि समूह के सदस्य बारी-बारी से औसत 1 घंटे प्रतिदिन साफ़ सिफाई व अन्य कार्य करेंगे |
- चीनी 500 ग्राम प्रति मौन ग्रह शर्बत बना कर वर्षा के समय या फलवार उपलब्ध न होने पर सप्ताह मे एक बार मधुमक्खी को खिलाया जाएगा | इसकी मात्रा कम या ज्यादा मौसम के अधार पर बढ या घट सकती है |
- पूंजीगतव्यय का लाभार्थीअंश लाभार्थियों द्वारा नकदी क रूप मे वहन किया जाएगा ।

## 12 अर्थव्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

| क्रं0 | विवरण | धनराशि |
|---|---|---|
| 1 | कुल आवर्ती लागत | 76100 |
| 2 | पूंजीगत व्यय पर 10% ह्रास मूल्य है | 15570 |
| 3 | बैंक से ऋण पर 10.5% वार्षिक ब्याज है | NIL |
| | योग | **91670** |

## 13 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

| क0स0 | विवरण | इकाई | धनराशि (रू0) |
|---|---|---|---|
| 1 | उत्पादन की लागत (250 किलोग्राम) | प्रति किलोग्राम | 105.69 |
| 2 | निर्धारित लाभ (%) | प्रति किलोग्राम 373.08 % | 394.31 |
| 3 | कुल (1+2) | प्रति किलोग्राम | 500 |
| 4 | बाजार भाव | प्रति किलोग्राम | 600 |
| 5 | अनुमानित/आंकलित विक्रय मूल्य | प्रति किलोग्राम | 500 |

## 14. उद्यम हेतु लागत लाभ का विश्लेषण

| क0स0 | मद | धनराशी (रू) |
|---|---|---|
| 1 | पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक मूल्य ह्रास (अ) | 15570 |
| **2** | **आवर्ती लागत (ब)-** | |
| 2-1 | औसत मजदूरी | 16100 |
| 2-2 | कमरा किराया | 14400 |
| 2-3 | मोमी शीट | 8000 |
| 2-4 | चीनी | 21600 |
| 2-5 | दवाइयाँ / रसाइन | 1000 |
| 2-6 | अन्य खर्चे (पैकिंग मटेरियल डब्बों, स्टीकर, स्टेशनरी, बिजली, पानी बिल, मशीन रिपेयर इत्यादि) | 15000 |
| | **योग (ब)** | **76100** |
| 3 | कुल उत्पादन | 720 किलोग्राम |
| 4 | उत्पादन की विक्री दर (रु0) | 500 रु0 |
| 5 | उत्पाद की विक्री से आय (स) | 360000 |
| 6 | कुल लाभ स-(अ+ब) = 360000 - (15570 +76100) | 268330 |
| 7 | उत्पाद विक्री से सकल लाभ = कुल लाभ + औसत मजदूरी + कमरा किराया = 268330 + 16100 + 14400 | 298,830 |

- फ्लोवेरिंग के समय बागवान मधुमक्खियों को प्रागण प्रक्रिया के लिए किराये पर रुपए 2000 से लेकर रुपए 2400 तक प्रति मधु गृह लेते हैं | यह आय उपरोक्त आय से अतिरिक्त होगी | इस आय को लागत लाभ विश्लेषण नहीं किया गया है क्योंकि मधु गृह को किराये पर ले जाना मांग पर आधारित होगा |
- मौन वंशों के 1 वर्ष क बाद कम से कम 2 और वंश बनाने पर समूह की आए 2 गुना आगामी वर्ष मे बढ़ जाएगी ।
- प्रथम चक्र मे आवर्ती व्यय आरंभ मे बचत से करेंगे तथा उसके उपरांत अर्जित आए से करेंगे।

## 15 धन की आवश्यकता

### (क) समूह की वित्तीय आवश्यकता

| क्रं. सं. | मद | धनराशी (रु) |
|---|---|---|
| 1 | पूंजीगत व्यय | **155700** |
| 2 | आवर्ती व्यय | 60000 |
| | **योग** | **215700** |

### (ख) समूह के वित्तीय संसाधन

| क्रं. सं. | संसाधन का विवरण | धनराशी (रु) |
|---|---|---|
| 1 | परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 50% अनुदान | 77850 |
| 2 | लाभार्थियों द्वारा लाभार्थी अंश नकदी के रूप मे दिया जाएगा | 77850 |
| 3 | समूह की आंतरिक बचत | 6000 |
| | **योग** | **161700** |

- परियोजना द्वारा समूह को 1,00,000 परिक्रिमी निधि प्रदान की जायेगी तथा आवर्ती व्यय के लिए प्रारम्भ के पहले महीने मे Rs 6000 की बचत से करेंगे तद उपरांत शहद को बेचकर लाभांश से वहन करेंगे | आगामी वर्ष मे मौनवंश को दुगना करने क लिए पूंजीगत व्यय क्रमश मोनगृह, मोमी शीट इत्यादि की आवश्यकता होगी उसका व्यय परीकृमि निधि से सीड मनी के रूप मे प्रयोग कर के बैंक से ऋण लेकर या लाभ अर्जित कर के वहन किया जाएगा। बैंक से ऋण लेने पर 5 % ब्याज दर भी परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा ।

## 16. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणनाः

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय/ विक्रय मूल्य - आवर्ती व्यय

= 161700 / 360000 - 76100

अत: ब्रेक इवन पॉइंट = 161700 / 283900

= 0.57 X 365 = 208 दिन

स्थिर मधुमक्खी पालन के लाभ की मात्रा की गणना पर सम विच्छेदन बिन्दू 208 दिनों में उपरोक्त विक्रय करने पर प्राप्त किया जा सकता है |

# टिप्पणी

समूह को वार्षिक चक्र में 283900 रुपए लाभांश के रूप मे प्राप्त होगा तथा 16100 रुपये मजदूरी की राशि मिलेगी। इस प्रकार प्रत्येक सदस्य को वर्ष भर मे केवल 1-1 घंटा प्रतिदिन प्रति सदस्य बारी बारी से कार्य करने पर लगभग 1342 रुपये मजदूरी के रूप मे व 23 ,658 रुपये लाभांश के रूप मे आय होगी | इसके अतिरिक्त बगवनों को पोलिनेशन हेतु मधुमाखियाँ देने पर 2000 - 2400 रुपये आय प्रति मोनगृह और होगी ।

## प्रशिक्षण का अनुमानित व्यय (आस्था मधुमक्खी पालन समूह, शाट)

| क्रमांक | विवरण | अवधि | भाव (रुपये मे) | राशि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | हॉल का किराया | 5 दिन | @2000/दिन | 10000 |
| 2 | 12 प्रतिभागियों के लिए ट्रेनिंग का खर्चा ( दोपहर का भोजन)। | 5 दिन | @250/ ट्रेनी/दिन | 15000 |
| 3 | रिफ्रेशमेंट - 12 प्रतिभागियों के लिए दिन मे 2 बार चाय पानी का खर्चा। | 5 दिन | @50/ट्रेनी/दिन | 3000 |
| 4 | विविध (स्टेशनरी, बस किराया आदि)। | 5 दिन | लंप सम | 8000 |
| | **योग** | | | **36000** |

- प्रशिक्षण का उपरोक्त व्यय परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा ।

# समान रूचि समूह के नियमो की सूची

1. समूह का काम : **स्थिर मधुमक्खी पालन**
2. समूह का पता : **गाँव शाट, डाकघर शाट, तहसील भुन्तर, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश ।**
3. समूह के कुल सदस्य : **12**
4. समूह की पहली बैठक की तिथि : **18.05.2022**
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 05. तारिक को होगी।
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की गई बचत की राशि को समूह में जमा करेगें।
8. स्वय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
9. स्वय सहायता समूह का खाता **हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक** बैंक शाखा **सरसाड़ी** में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर **88321300000424** है।
10. समूह की बैठक में **गैर** हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो बचत की **राशी** जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से **गैर** हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा।
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए **बिना** गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा।
13. स्वय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें।
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें।
16. अगर सदस्य किसी **कारणवश** समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ **सकता** है अन्यथा नही।
17. ऋण का **उदेश्य** रकम की चुकोती का समय ऋण की **किश्त** और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी।
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की **राशी** होनी चाहिए।
19. स्वय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा **राशि** समूह **के सदस्यो बराबर** मे बांटी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी।

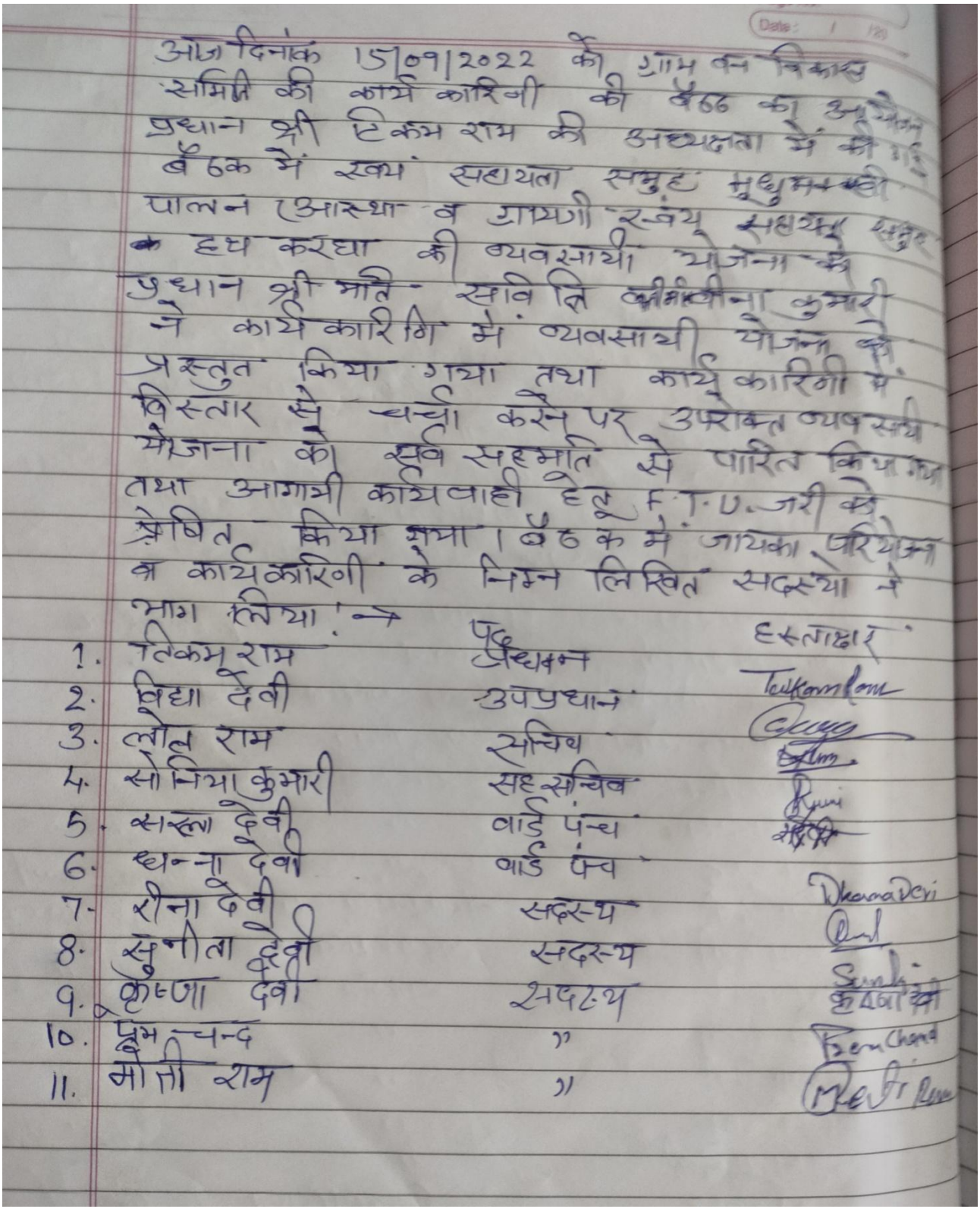

आज दिनांक 15/09/2022 को ग्राम वन विकास समिति की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन प्रधान श्री टिकम राम की अध्यक्षता में की गई। बैठक में स्वयं सहायता समूह मधुमक्खी पालन (आस्था) व ग्रामीण स्वयं सहायता समूह हथ करघा की व्यवसायी योजना के प्रधान श्रीमति सावित्रि मीना कुमारी ने कार्यकारिणी में व्यवसायी योजना को प्रस्तुत किया गया तथा कार्यकारिणी में विस्तार से चर्चा करने पर उपरोक्त व्यवसायी योजना को सर्व सहमति से पारित किया गया तथा आगामी कार्यवाही हेतु F.T.U. जरी को प्रेषित किया गया। बैठक में जायका परियोजना व कार्यकारिणी के निम्न लिखित सदस्यो ने भाग लिया। →

| | | पद | हस्ताक्षर |
|---|---|---|---|
| 1. | टिकम राम | प्रधान | Teikam Ram |
| 2. | विद्या देवी | उपप्रधान | [signature] |
| 3. | लाल राम | सचिव | [signature] |
| 4. | सोनिया कुमारी | सहसचिव | [signature] |
| 5. | सरला देवी | वार्ड पंच | [signature] |
| 6. | धन्ना देवी | वार्ड पंच | Dhana Devi |
| 7. | रीना देवी | सदस्य | [signature] |
| 8. | सुनीता देवी | सदस्य | Sunita |
| 9. | कृष्णा देवी | सदस्य | कृष्णा देवी |
| 10. | प्रेम चन्द | " | Prem Chand |
| 11. | मोती राम | " | Moti Ram |

**समूह का सहमती पत्र**

आज दिनाकं 15/09/22 को 'आस्था' समान रुची समूह शाट की बैठक प्रधान श्रीमती सावित्री की अध्यक्षता में हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने सर्व सहमती से निर्णय लिया की आय बढाने के लिए मधुमखी पालन की व्यवसाए योजना का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका) के अंतर्गत सहमती प्रदान करते है ।

सचिव आस्था स्वयं सहायता समूह शाट डा० जल्लूग्रां जिला कुल्लू (हि०प्र०)
समूह के सचिव के हस्ताक्षर

प्रधान Savitri Devi
आस्था स्वयं सहायता समूह शाट डा० जल्लूग्रां जिला कुल्लू (हि०प्र०)
समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

Recomended for approval

FTU cum Range Forest Officer
Jari

Deputy Conservator of Forest,
Parvati Forest Division, Shamshi

# समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य की फोटोग्राफ

| | | | |
|---|---|---|---|
| श्रीमती सावित्री देवी (प्रधान) | श्रीमती पुष्पा देवी (सचिव) | श्रीमती दया वंती (कोषाध्यक्ष) | श्रीमती हीरा देवी (सदस्य) |
| श्रीमती मीरा देवी (सदस्य) | श्रीमती सुनिता देवी (सदस्य) | श्रीमती सीता देवी (सदस्य) | श्रीमती विद्या देवी (सदस्य) |
| श्रीमती राधा देवी (सदस्य) | श्रीमती सेवा रानी (सदस्य) | श्रीमती पैनी देवी (सदस्य) | श्रीमती ज्ञान सारणी (सदस्य) |